No. of Printed Pages : 8 **BPYE-001**

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (PHILOSOPHY) (BDP)

Term-End Examination

June, 2023

Elective Course : Philosophy

BPYE-001 : PHILOSOPHY OF RELIGION

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : (*i*) *Answer all the **five** questions.*

(*ii*) *All questions carry equal marks.*

(*iii*) *Answers to Question Nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Critically analyse the different theories of the origin of religion. 20

Or

Explain the various arguments forwarded to prove the existence of God. 20

P. T. O.

2. What do you mean by religious pluralism ? Explain the philosophical responses to religious pluralism. 20

Or

'The spirit on the internal aspect of any religion is religious experience.' Explain this statement. 20

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** words each : 10 each

   (a) Examine the socio-political origin of religion.

   (b) Highlight the arguments against atheism and agnosticism.

   (c) Explain the most fundamental themes of worship expresed by the religious language.

   (d) Analyse the relation between religious fundamentalism and terrorism.

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each : 5 each

   (a) Briefly explain the approach of postmoderns towards religion.

   (b) Give a brief account of Islamic fundamentalism.

   (c) What is the univocal way of religious language ?

   (d) Describe mysticism as the latense form of religious experience according to William James.

   (e) What are the arguments in defense of the classical view of Divine eternity ?

   (f) Describe the core of primitive religious consciousness.

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each : 4 each

   (a) Hindu fundamentalism

   (b) Inter-religious *or* Inter-faith dialogue

   (c) Mysticism

(d) The epistemological aspect of experience of the 'Holy'

(e) Forms of atheism and agnosticism

(f) God as a creator

(g) Etymology of the word 'religion'

(h) Religious feeling and religious knowledge according to Rudoff Otto

BPYE-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

(बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी.पी.वाई.ई.-001 : धर्मदर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न संख्या **1** और **2** में प्रत्येक का उत्तर लगभग **400** शब्दों में दीजिए।*

1. धर्म की उत्पत्ति के सम्बंध में विभिन्न सिद्धान्तों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 20

अथवा

ईश्वर को सिद्ध करने के लिए प्रस्तुत किए जाने वाले विभिन्न तर्कों की व्याख्या कीजिए। 20

2. धार्मिक बहुलतावाद से आप क्या समझते हैं ? धार्मिक बहुलतावाद के प्रति दर्शनिक प्रतिक्रियाओं की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

"प्रत्येक धर्म का सार या आन्तरिक पक्ष धार्मिक अनुभव होता है।" इस कथन की व्याख्या कीजिए। 20

3. किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(क) धर्म की सामाजिक-राजनैतिक उत्पत्ति का परीक्षण कीजिए।

(ख) निरीश्वरवाद और अज्ञेयवाद के विरुद्ध तर्कों पर प्रकाश डालिए।

(ग) धार्मिक भाषा द्वारा प्रस्तुत सर्वाधिक मूल पूजा के ढंगों की व्याख्या कीजिए।

(घ) धार्मिक क रवाद एवं आतंकवाद के मध्य सम्बंध का

4. किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(क) उत्तर-आधुनिकवादियों के धर्म के प्रति दृष्टिकोण की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

(ख) इस्लामिक क रवाद को संक्षेप में समझाइए।

(ग) धार्मिक भाषा का निश्चयात्मक ढंग (Univocal way) क्या है ?

(घ) विलियम जेम्स के अनुसार रहस्यवाद का धार्मिक अनुभव के एक प्रबल ढंग के रूप में वर्णन कीजिए।

(ङ) दैवीय शाश्वतता के सम्बन्ध में शास्त्रीय विचार के पक्ष में प्रस्तुत तर्क कौन-से हैं ?

(च) पुरातन (Primitive) धर्म चेतना के सार का वर्णन कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(क) हिन्दू क रवाद

(ख) अन्तरधार्मिक अथवा इन्टरफेथ सम्वाद

(ग) रहस्यवाद

(घ) पवित्र के अनुभव का ज्ञानमीमांसीय पक्ष

(ङ) निरीश्वरवाद और अज्ञेयवाद के रूप

(च) सृष्टिकर्ता के रूप में ईश्वर

(छ) धर्म शब्द का व्युत्पत्तिशास्त्र

(ज) रूडोफ ऑटो के अनुसार धार्मिक अनुभव और धार्मिक ज्ञान